गलातियन क पत्र

1 पौलुस क तरफ स, जउन एक प्रेरित अहइ, जे एक अइसेन सेवा बरत धारन किहे अहइ। जउन ओका न तउ मनइयन स मिला बा अउर न कउनो एक मनई क जरिये दीन्ह गवा रहा, बल्कि ईसू मसीह क जरिये उ परमपिता परमेस्सर स, जे ईसू मसीह मरे रहे प फिन स जियाइ दिहे रहा, दीन्ह भवा बा।

2अउर मोरे साथे जउन भाइ अहइँ, ओन्हे सब ओर स गलातिया* छेत्र क कलीसियवन क नाउँ:

3हमरे परमपिता परमेस्सर अउर पर्भू ईसू मसीह कइँती स तू सबन क अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ। 4जे हमरे पापन बरे अपने आपके अर्पित कइ दिहेन ताकि इ पाप पुन्न संसारे स, जेहेमें हम रहत हई, उ हमका छुटकारा देवॉइ सकइ। हमरे परमपिता क इहइ इच्छा अहइ। 5उ हमेसा महिमावान होइ। आमीन।

सच्चा सुसमाचार एक्कइ अहइ

6मोका अचरज बा, कि तू सभे ऍतनी जल्दी उ परमेस्सर स मुँह मोड़के, जे मसीह क अनुग्रह द्वारा तू पचन क बोलाए रहा, कउनो दुसरे सुसमाचार क तरफ जात अहा। 7कउनउ दुसर सुसमाचार तउ सहीयउ मँ अहइ ही नाहीं ना, मुला कछू जने अइसेन अहइँ जउन तोहे भरमावत अहइँ। अउर मसीह क सुसमाचार मँ हेर-फेर क जतन करत हीं। 8मुला चाहे हम होई अउर चाहे केऊ सरगदूत या तू सबन क हमरे कारण सुनावा गवा सुसमाचार स अलग सुसमाचार सुनावत हीं तू ओका धिक्कार बा।

9जइसेन की हम पहिले कहिं चुका हई, ओइसेन ही मइँ अब फिन दोहरावत अहउँ कि जदि चाहे हम होइ अउर चाहे केऊ सरगदूत, या तोहरे स स्वीकार कीन्ह गवा सुसमाचार स अलग सुसमाचार सुनावत हीं तउ ओका धिक्कार अहइ।

10का एहसे तू सब्बन क अइसेन लागत ह कि मोका मनइयन क स्वीकृति चाही? या इ अउर परमेस्सर की स्वीकृति मिलइ। अउर का मइँ मनइयन क खुस करई क जतन करत हइ? अगर मइँ मनइयन क खुस करित ह तउ मइँ ईसू मसीह क सेवक-सा न होइत।

पौलुस क सुसमाचार परमेस्सर स मिला बा

11भाइयो, मइँ तोहका जतावइ चाहित ह कि सुसमाचार जेकर उपदेस तू पचन क मइँ दिहे हउँ उ मनई द्वारा नाहीं बनावा गवा ह। 12कउनउ मनई स मिला सुसमाचार नाहीं ना काहेकि न तउ मइँ एका कीहीउ मनई स पाएउँ हइँ अउर न तउ कउनउ मनई एकर उपदेस मोका दिहे बा। ईसू मसीह द्वारा हमरे सामने परगट भवा बा।

13यहूदी धरम मँ मइँ पहिले कइसे जिअत रहेउँ ओका तू सुन चुक्या ह, अउर तू इहउ जानत ह कि मइँ परमेस्सर क कलीसिया पर केतॅना अत्याचार किहे हउँ अउर ओका मिटाइ डालइ क कोसिस तक किहे अहइ। 14यहूदी धरम क पालइ मँ मइँ अपने जुगे क समकालीन यहूदियन स आगे रहेउँ काहेकि मोर पूर्वजन स जउन परम्परा मोका मिली रहिन, ओहमँ हमार उत्साहपूरक आस्था रही।

15मुला परमेस्सर मोरे जनम स पहिलेन मोका चुन लिहे रहा। अउर आपन अनुग्रह व्यक्त करइ क मोका बोलाइ लिहे रहा। 16ताकि उ मोका अपने पूत (ईसू) क गियान कराइ देइ। जेसे मइँ गैर यहूदियन क बीच ओकरे सुसमाचार क प्रचार करउँ। ओह समइ जल्दी स मइँ कउनउ मनई स कउनउ राय नाहीं लिहेउँ। 17अउर न तउ मइँ ओन्हन क लगे यरूसलेम गएउँ जउन मोसे पहिले प्रेरितन बना रहेन। बल्कि मइँ अरब गवा रहेउँ अउर फिन उहाँ स दमिस्क लउटि आएउँ। 18फिन तीन साल क बाद पतरस स मिलइ बरे मइँ यरूसलम पहुँचेउ अउर ओकरे साथे एक पखवाड़ा ठहरेउँ। 19मुला उहाँ मइँ पर्भू क भाई याकूब क देखिके कउनो अउर दुसरे प्रेरितन स नाहीं मिलेउँ। 20मइँ परमेस्सर क साच्छी कइके कहत हउँ कि जउन कछू मइँ लिखत हउँ ओहमाँ झूठ नाहीं बा। 21ओकरे बाद मइँ सीरिया अउर कलिकिया क देसन मँ गएउँ।

22मुला यहूदियन क मसीह क मानइवाले क कलीसियन अपने रूप स मोका नाहीं जानत रहेन। 23मुला उ लोगन स कहत सुनत रहेन, "उहइ मनई जउन पहिले हमका सतावत रहत रहा उही बिसवासे यानि उही बिसवास क प्रचार करत रहत ह जेका उ कभउँ खराब करई क कोसिस करे रहा।" 24मोरे कारण उ पचे परमेस्सर क स्तुति किहेन।

पौलुस क प्रेरितन क मान्यता

2 चौदह साल बाद मइँ फिन स यरूसलेम गएऊँ बरनाबास मोरे साथे रहा अउर तीतुस क मइँ अपने साथे लइ लिहे रहेउँ। 2मइँ परमेस्सर क दर्सन क कारण उहाँ गवा रहेउँ। मइँ गैर यहूदियन क बीच सुसमाचार क उपदेस देत रहत हउँ, उहइ सुसमाचार क आपन निजी सभा क बीच कलीसिया क मुखियन क सुनाएउँ। मइँ उहाँ ऍह बरे गए रहेउँ कि परमेस्सर खुद मोका दर्साये रहा कि मोका उहाँ।

गलातिया कभउँ कभउँ उहइ छेत्र रहा होइ जहाँ आपन पहिली धार्मिक सेथ जाबा क अवसरन पर पौलुस उपदेस दिहे रहा, अउर कलीसिया क स्थापना किहे रहा। प्रेरितन क काम 13 अउर 14 देखा।

जाइ चाही। ताकि जउन काम मइँ पिछले दिनन किहे रहेउँ,
या जेका मइँ करत हउँ, उ बेकार न चला जाइ।
3-4परिनाम सरूप तीतुस तक क, जउन हमरे साथे रहा,
जद्यपि उ यूनानी अहइ फिन ओका खतना करावइ बरे
विवस नाहीं कीन्ह गवा रहा। मुला ओन झूठे भाइयन क
कारण जउन लुके छिपा हमरे बीच गुप्तचर क रूप मँ
मसीह ईसू मँ हमार स्वतन्त्रता क पता लगावइ बरे घुस
आइ रहेन कि हमका दास बनाइ सकइँ, इ बात उठी।
5मुला हम ओनकइ गुलामी मँ एक छन बरे घुटना नाहीं
टेका ताकि उ सच चउन सुसमाचार मँ निवास करत ह,
तोहरे भित्तर बना रहइ।
6मुला जाना-माना सम्मानित लोगन स मोका कछू नाहीं
मिला। उ कइसनेउ भी रहेन, मोका अइसेन कउनउ अन्तर
नाहीं पड़त। बिना कउनउ भेद भाऊ क सबन मनई परमेस्सर
क सामने एक जइसेन अहइँ। मुला ओन सम्मानित लोगन स
मोका या मोरे सुसमाचार मँ कछू जोड़ावाइ गवा कउनउ
लाभ नाहीं भवा। 7मुला एन मुखियन देखेन कि परमेस्सर
मोका वइसे ही एक विसेस काम सौंपे अहइ जइसे पतरस
क परमेस्सर यहूदियन क सुसमाचार सुनावइ क काम दिहे
रहा। मुला परमेस्सर गैर यहूदियन क सुसमाचार सुनावइ क
काम मोका दिहे रहा। 8परमेस्सर पतरस क एक प्रेरित क
रूप मँ काम करइ क सक्ती दिहे रहा। पतरस गैर यहूदियन
क बरे एक प्रेरित बा। परमेस्सर मोका भी एक प्रेरित क
रूप मँ काम करइ क सक्ती दिहे बाटइ। मुला मइँ ओन
मनइयन क प्रेरित अहउँ जउन यहूदी नाहीं अहइँ। 9इही तरह
उ पचे मोह पइ परमेस्सर क ओह अनुग्रह क समझ लिहेन
अउर कलीसिया क स्तम्भ समझइ जाइ वाला याकूब,
पतरस अउर यूहन्ना बरनाबास अउर मोसे साझेदारी क चिन्ह
क रूप मँ हाथे मिलाए रहा। अउर उ पचे सहमत होइ
गएन कि हम विधर्मियन क बीच उपदेस देत रही अउर उ
सबइ यहूदियन क बीच। 10ओ सबइ हमसे बस एँतनई कहेन
कि हम ओनके गरीबन क धियान रखी। अउर मइँ इही
कामँ क न केवल करइ चाहत रहेउँ बल्कि एकरे बरे
लालयित रहेउँ।

पौलुस क दिस्टि मँ पतरस अनुचित

11मुला जब पतरस अन्ताकिया आवा तब मइँ खुलके
ओकर विरोध किहेउँ काहेकि उ ठीक नाहीं रहा। 12काहेकि
याकूब द्वारा भेजा गवा कछू लोगन क इहाँ पहुँचे स
पहिले उ गैर यहूदियन क साथे खात पियत रहा। मुला उन
लोगन क आवइ क बाद उ गैर यहूदियन स अलग कइ
लिहेस। उ ओन्हेन क डर स अइसेन किहेस जउन चाहत
रहेन कि गैर यहूदियन क खतना होइ चाही। 13दूसरे
यहूदियन पतरस क इ देखावा मँ साथ दिहेन। इहाँ तक की
इ देखॉवइ क कारण बरनाबास तक भटक गवा। 14मइँ
जब इ देखेउँ कि सुसमाचार मँ छिपा हुआ सच क अनुसार
उ पचे सीधे रस्ता पर नाहीं चलत रहेन तब सबक सामने
पतरस स कहेन, “जब तू यहूदी होइ क भी गैर यहूदियन क
जिन्नगी जिअत अहा। तउ गैर यहूदियन क यहूदियन क रीति
पर चलइ क बरे विवस कइसे कइ सकत ह?” 15हम तउ
जनम स यहूदी अही। अउर हमार पापी गैर यहूदियन स
कउनउ सम्बन्ध नाहीं बा। 16तबऊ हम इ जानित ह कि
कउनो मनई क व्यवस्था क बिसय क पालन करइ क
कारण नाहीं बल्कि ईसू मसीह मँ बिसवास क कारण नेक
ठहरावा जात ह। मइँ इही बरे मसीह ईसू क बिसवास धारण
किहे हई, ताकि इ बिसवासे क कारण हम नेक ठहरावा
जाइ, न कि व्यवस्था क पालइ क कारण। काहेकि ओका
पालई स तउ केऊ मनई धर्मी नाहीं होत।
17मुला अगर हम जउन ईसू मसीह मँ अपने स्थित क
कारण धर्मी ठहरावा जाइ चाहित ह। हमहूँ बिधर्मीयन क
समान पापी पावा जाइ तउ एकर मतलब का इ नाहीं ना कि
मसीह पापे क बढ़ावा देत ह। निस्चय ही नाहीं। 18अगर
जेकर तियाग मइँ कइ चुका हउँ उ व्यवस्था क फिन स
उपदेस देइ लागउँ, तब तउ मइँ आज्ञा क उल्लंघन
करइवाला अपराधी बन जाब। 19काहेकि व्यवस्था क विधान
स मइँ मर गएउँ ह ताकि परमेस्सर क बरे मइँ फिन स जी
जाउँ मसीह क साथे मोका क्रूस पर चढ़ाइ दिहा गवा।
20इही स अब आगे मइँ जिन्दा नाहीं अहउँ। मुला मसीह
मोहमाँ जिन्दा अहइ। तउन एह सरीर मँ अब मइँ जउन
जिन्नगी जिअत हउँ, उ हमार जिन्नगी नाहीं अहइ, उ तउ
बिसवासे पइ टिका बा। परमेस्सर क ओह पूत (ईसू) बरे
बिसवासे पर जउन मोसे पिरेम करत ह। अउर जे अपने
आप क मोरे बरे अर्पित कइ दिहेस। 21मइँ परमेस्सर क
अनुग्रह क नाहीं नकारित ह, मुला अगर धार्मिक व्यवस्था
क कारण परमेस्सर स नाता जोडाइ पाउत तउ मसीह बेकारइ
आपन जान काहे देत।

परमेस्सर क बरदान बिसवासे स मिलत ह

3 अरे मूरख गलातियो, तोह पर के जादू कइ दिहे बा?
तू सबन क तउ, सबन क समन्वा ईसू मसीह क क्रूस
पर कइसे चढ़ावा गवा रहा, एकर पूरा विवरण दइ दीन्ह
गवा रहा। 2मइँ तू पचन स बस एतना जानइ चाहित ह कि
तू पवित्तर आतिमा क बरदान कउन व्यवस्था क पालइ स
पाए रह्या, अउर सुसमाचार क सुनइ अउर ओहपे बिसवास
करइ स? 3काहेकि तू पचे एँतना मूरख होइ सकत ह, जउने
जीवन क तू सबइ आतिमा स आरम्भ किहे रह्या-ओका
अब हाड़-मांस क सरीर क सक्ती स पूरा करब्या। 4तू पचे
एतना कस्ट बेकारइ सह्या? आसा बाटइ कि उ पचे बेकार
नाहीं भएन। 5परमेस्सर जउन तोह पचन क आतिमा देत ह
अउर जउन तोहरे सबन बीच अद्भुत कारजन क करत ह,
उ इ एँह बरे करत ह कि तू सबइ व्यवस्था क पालत अहा
या एँह बरे कि तू पचे सुसमाचार क सुने अहा, अउर ओह
पर बिसवास किहे अहा।
6इ वइसेन ही बा जइसे कि इब्राहीम क बारे मँ पवित्तर
सास्तरन कहत हीं: “उ परमेस्सर मँ बिसवास किहेस अउर इ
ओकर परमेस्सर मँ धार्मिकता गिनि गइ।”* 7तउ फिन तू
पचे इ जान ल्या कि इब्राहीम सच्चा बंसज ओह सबइ अहइँ
जउन बिसवास करत हीं। 8पवित्तर सास्तरन पहिलेन बताइ
दिहे बाटेन कि परमेस्सर गैर यहूदियन क भी ओनके

“उ परमेस्सर … गइ” उत्पत्ति 15:6

बिसवास क कारण धर्मी ठहराएस। अउर ओन सब्दन क
साथे पहिलेन स ही इब्राहीम क परमेस्सर क जरिये
सुसमाचार स सास्तरन क इ सब्दन द्वारा, “परमेस्सर तुम्हारा
उपयोग करी, सबहिं राष्ट्रन का आसीसन बरे अवगत कराइ
दीन्ह गवा रहा।”* **9**इही बरे उ लोग जउन बिसवास करत
हीं बिसवासी इब्राहीम क साथ आसीस पावत हीं।

10मुला जब लोग जउन व्यवस्था क पालइ प निर्भर रहत
हीं, उ पचे कउनो अभिसाप क अधीन अहइँ। पवित्तर
सास्तरन मँ लिखा बा, “अइसेन सब मनइ स्रापित बाटेन
जउन व्यवस्था क पुस्तक मँ लिखी सब बातन क लगन क
साथे पालन नाहीं करतेन।*” **11**अब इ स्पष्ट बा क
व्यवस्था क जरिये परमेस्सर क सामने कउनउ धर्मी नाहीं
ठहरत ह। काहेकि पवित्तर सास्तरन क अनुसार, “धर्मी मनई
बिसवास क सहारे अनन्त जीवन जिई।”*

12मुला व्यवस्था तउ बिसवासे पर नाहीं टिका बल्कि
पवित्तर सास्तरन क अनुसार, “जे व्यवस्था क विधान क
अनुसार पाली, उ ऊहीं क सहारे जिई।”* **13**मसीह हमरे
स्रापे क अपने ऊप्पर लइके व्यवस्था क स्राप स हमका
मुक्त कइ दिहेस। पवित्तर सास्तरन कहत हीं, “हर केऊ
जउन पेड़ पर टाँगि दीन्ह जात ह, स्रापित बा।” **14**मसीह
हमका एँह बरे मुक्त किहेस कि इब्राहीम क दीन्ह गइ
आसिस ईसू मसीह क जरिये गैर यहूदियन क मिलि सकइ
ताकि बिसवास क जरिये हम ओंह पवित्तर आतिमा क पाइ
सकी जेकर बचन दीन्ह गवा बा।

व्यवस्था अउर बचन

15भाइयो, अब मइँ तू पचन क दैनिक जीवन स एक
उदाहरण देइ जात अहउँ: देखा, जइसेन कउनउ मनई क
जरिये कउनउ करार कइ लिहेजाइ प स्वीकृत हो जात ह, न
तउ कउनो मनई ओका रद्द कइ सकत ह अउर न ही
ओहमे स कछू घटावा जाइ सकत ह। अउर न बढ़ावा,
16वइसेन ही इब्राहीम अउर उनके भावी बंसज क साथे
कीन्ह गइ प्रतिज्ञा क संदर्भ मँ भी बा। देखा! परमेस्सर इ
नाही कहत ह, “अउर ओकरे बंसजन क।” (अगर अइसेन
होत ह त बहुत लोगन क तरफ संकेत होत। परमेस्सर वचन
मँ कहत ह, “अउर तोहरे बंसजन।” जउन मसीह अहइ।)
17मोर कहइ क मतलब इ बाटई कि जेह करार क
परमेस्सर पहिलेन सुनिस्चित कइ दिहेस ओका चार सौ तीस
साल बाद आवइवाली व्यवस्था क विधान नाहीं बदल सकत
अउर न तउ ओकरे बचन क अप्रभावित ठहरावा जाइ
सकत ह। **18**काहेकि अगर उत्तराधिकार व्यवस्था पर टिका
बा तउ फिह उ बचन पर न टिकी। मुला परमेस्सर
उत्तराधिकार बचन क कारण मुक्त रूप स इब्राहीम क दिहे
रहा।

19फिन भला व्यवस्था क प्रयोजन का रहा? व्यवस्था
उल्लंघन क अपराध क कारण व्यवस्था क बचन स जोड़
दीन्ह गवा रहा ताकि जेकरे बरे बचन दीन्ह गवा रहा, ओह
बंसज क आवइ तलक उ रहइ। व्यवस्था एक मध्यस्थ क
रूप मँ रहइवाला मूसा क सहायता स सरगदूतन स दीन्ह
गवा बा। **20**अब देखा, मध्यस्था क जरूरत नाहीं अहइ, जब
केवल एक मनई होत ह। मुला परमेस्सर तउ एक्कई बा।

मूसा क व्यवस्था क प्रयोजन

21का एकर इ मतलब बा कि व्यवस्था परमेस्सर क
बचन क बिरोधी अहइ? निस्चित रूप स नाहीं। काहेकि
अगर अइसेन ही व्यवस्था दीन्ह गइ होत जउन सबन मँ
जीवन क संचार कइ सकत तउ व्यवस्था परमेस्सर क आगे
धार्मिकता क सिद्ध करई क साधन बन जात। **22**मुला
पवित्तर सास्तरन घोसणा किहे बा कि इ समूचा संसार पाप
क सक्ती क अधीन बा। ताकि ईसू मसीह मँ बिसवास क
आधार पर जउन बचन दीन्ह गवा बा, उ बिसवासी लोगन
क भी मिलइ। **23**इ बिसवास क आवई स पहिले, हमका
व्यवस्था क देखरेख मँ, इ आवइवाला बिसवास क परगट
होइ तलक, बन्दी क रूप मँ रखा गवा बा। **24**एह तरह
व्यवस्था हमका मसीह तक लइ जाइ क बरे एक कठोर
अभिभावक रहा ताकि आपन बिसवास क आधार पर हम
धर्मी ठहरी। **25**अब जब इ बिसवास परगट होइ चुका अहइ
तउ हम ओह कठोर अभिभावक क अधीन नाहीं अही।

26-27ईसू मसीह मँ बिसवास क कारण तू सबहिं
परमेस्सर क सन्तान अहा। काहेकि तू सबइ मसीह क
बपतिस्मा लइ लिहे अहा, मसीह मँ समाइ गवा अहा।
28तउन अब किहीउ मँ कउनउ अन्तर नाहीं रहा अउर न
कउनउ यहूदी रहा, न गैर यहूदी, न दास रहा, न स्वतन्त्र, न
पुरूस रहा, न स्त्री रही, काहेकि मसीह ईसू मँ तू सबहिं
एक अहा। **29**अउर काहेकि तू मसीह क अहा, तउ फिन तू
इब्राहीम क बंसजन क अहा। अउर परमेस्सर जउन इब्राहीम
क दिहे रहा उहइ बचन क उत्तराधिकारी होइ।

4 मइँ कहत हउँ कि उत्तराधिकारी जब तलक बच्चा बा
तउ चाहे सब कछू क स्वामी उहइ होत ह, फिन भी
उ दास स जियाद कछू नाहीं रहत। **2**उ संरच्छकन अउर घरे
क सेवकन क तब तक अधीन रहत ह। जब तक ओकरे
पिता द्वारा निस्चत समइ नाहीं आई जात। **3**हमरउ भी
अइसेही स्थिति बा। हमहुँ जब बच्चा रहेन तउ संसारी
नियमन क दास रहेन। **4**मुला जब अच्छा समइ आवा त
परमेस्सर तउ अपने पूत क भेजेस जउन एक स्त्री स जनमा
रहा। **5**अउर उ व्यवस्था क अधीन जिअत रहा। ताकि उ
व्यवस्था क अधीन व्यक्तियन क मुक्त कराइ सकइ जेसे
हम परमेस्सर क गोद लीन्ह भए बच्चन बन सकी।

6अउर फिन काहेकि तू परमेस्सर क सन्तान अहा, तउन
उ सबन क हिरदय मँ पूत क आतिमा क पठए रहा। उहइ
आतिमा, “अब्बा” या “पिता” कहतइ बोलवावत ह। **7**इही
बरे अब तू दास नाहीं अहा बल्कि परमेस्सर क सन्तान अहा
अउर काहेकि तू सन्तान अहा इही बरे तोहका परमेस्सर
आपन उत्तराधिकारी बनाए ह।

“परमेस्सर … रहा” उत्पत्ति 12:3

अइसेन … करतेन” व्यवस्था 27:26

“धर्मी … जिई” हबक. 2:4

“जे … जीई लैव्य. 18:5

गलाती मसीहियन क बरे पौलुस क पिरेम

8पहिले तू सभे जब परमेस्सर क नाहीं जानत रह्या, तउ
तू सभे देवतन क दास रह्या। उ सच नाहीं अहइ वास्तव मँ
उ सबइ परमेस्सर नाहीं रहेन। 9मुला अब तू परमेस्सर क
जानत अहा, या अइसेन कहइ चाही कि परमेस्सर क जरिये
अब तू पचन क पहिचान लीन्हा गवा बा। फिन तू ओनन्ह
साररहित, कमजोर नियमन कइँती काहे लउट अहा। तू पचे
फिन स ओनके अधीन काहे होइ चाहत ह? 10तू पचे कउनो
विशेष दिनन महीनन ऋतुवन अउर बरिसन क मानइ लाग
अहा। 11तू पचन क बारे मँ मोका डेर लागत ह कि तू
पचन क बरे जउन काम मइँ किहे हउँ उ सबइ कहूँ खराब
तउ नाहीं होइ गवा अहइँ।

12हे भाइयो तथा बहिनियो, कृपा कइके तू सब मोरे
जइसेन बनि जा। देखा, मोहूँ तउ तू पचन जइसेन बनि गवा
हउँ, इ मोर तू पचन स बिनती बा, अइसेन नाहीं कि तू पचे
मोरे बरे कउनउ गलती किहे अहा। 13तू पचे तउ जनबई
करत ह कि आपन सरीरी क व्याधियन क कारण मइँ
पहिली दाई तू सबन इ सुसमाचार सुनाए रहेउँ। 14अउर तू
सब हऊँ तउ, मोरी बीमारी क कारण, जउन तोहार परीच्छा
लीन्ही गइ रही, ओहसे मोका छोट नाहीं समझया अउर न
तउ मोरे निसेध किह्या। बल्कि तू पचे परमेस्सर क सरगदूत
क रूपे मँ मोर सुवागत किहे अहा। माना कि मइँ खुदई ईसू
मसीह रहेउँ। 15तउन तू सबन क उ खुसी क का भवा? मइँ
तोहरे बरे खुदइ इ बाते क साच्छी हउँ कि अगर तू पचे
समरथ होत ह्या तउ तू पचे आपन आँखी तक निकाली क
मोका दइ देत्या। 16तउन का सच बोलइ स ही मइँ तू पचन
क दुस्मन होइ गएउँ?

17तू पचन क व्यवस्था पर चलावइ बरे चाहइवालन
तोहमाँ बड़ी गहिर रूचि लेत हीं। मुला ओनकर उद्देस्य
अच्छा नाहीं बा। उ तू सबइ पचन क मोसे अलग करइ
चाहत हीं। ताकि तू पचे ओहमाँ गहिर रूचि लइ सका।
18कउनउ कीहीउँ मँ हमेसा गहिर रूचि लेत रहइ, इ तउ
एक अच्छी बात अहइ। मुला इ कीहीउँ अच्छे क बरे होइ
चाही। अउर बस उही समइ नाहीं, जब मइँ तोहरे साथे हउँ।
19मोर प्रिय सन्तानों, मइँ तू सबन क बरे एक बार फिन
प्रसव वेदना क झेलत हउँ। जब तलक तू पचे मसीह जइसे
नाहीं होइ जात्या। 20मइँ चाहत हउँ कि अबहीं तू पचन के
लगे आइ पहुँचउँ अउर तू सबन क साथे अलग तरह स
बात करउँ, काहेकि मइँ समझ नाहीं पावत हउँ कि तू पचन
बरे का करा जाइ।

सारा अउर हाजिरा क उदाहरण

21मूसा क व्यवस्था क आधीन रहइ चाहइवालन स मइँ
पूछत हउँ का तू पचे व्यवस्था क इ कहब नाहीं सुन्या?
22पवित्तर सास्तरन कहत हीं कि इब्राहीम क दुइ बेटवा
रहेन। एक क जन्म एक दासी स भवा रहा अउर दुसरे क
स्वतन्त्र स्त्री स। 23दासी स पइदा भवा बेटवा सहज नियमन
मँ पैदा भवा रहा, मुला स्वतन्त्र स्त्री स पइदा बच्चा
परमेस्सर क जरिये दीन्ह गयि प्रतिज्ञा क परिणाम अहइ।
24इन बातन क प्रतीकात्मक मतलब अहइ-इन दुन्नउ स्त्री
दुई करारन क चिन्ह अहइँ। एक करार सीनै पर्वत स मिला
रहा जे ओन सभन क जनम दिहेस जउन दासता क बरे
रहेन। इ करार हाजिरा स सम्बधित बा। 25हाजिरा अरब मँ
स्थित सीनै पर्वत क चिन्ह अहइ, उ वर्तमान धरती क
यरूसलेम क समान अहइ, काहेकि उ अपने बेटवन क
साथे दासता भोगत रही, 26मुला सरग मँ स्थित यरूसलेम
स्वतन्त्र अहइ। अउर उहइ हमार माता अहइ। 27पवित्तर
सास्तर कहत ह:

“बाँझ! मनावा आनन्द, जना तू न कउनो क प्रसव वेदना
भइ न तोहका, हर्स नाद कइके अउर खिलखिला हंसी खुसी
मँ काहेकि अनगिनत संतान अहइँ छोड़ी भइ मुला नाहीं ना
ओकर ओतनी, जउन सुहागिन।” *यसायाह 54:1*

28-29तउन भाइयो! अब तू इसहाक क जइसी परमेस्सर
क बचन स संतान होवा। मुला जइसे ओह समझ प्राकृतिक
परिस्थितियन क अधीन पैदा भइ आतिमा क सक्ति स
उत्पन्न भए क सतावत रहा, वइसेन ही स्थिति आज बा।
30मुला देखा पवित्तर सास्तर का कहत ह? “इ दासी अउर
ओकर बेटवा क निकाल क बाहर करा, काहेकि इ दासी
क बेटवा तउ स्वतन्त्र स्त्री क बेटवा क साथे उत्तराधिकारी
न होई।”* 31एँह बरे भाइयन! हम ओह दासी क सन्तान
नाहीं हई, बल्कि हम तउ स्वतन्त्र स्त्री क सन्तान हई।

स्वतन्त्र बना रहअ

5 मसीह तउ हमका स्वतन्त्र किहे अहइ ताकि हमउँ
स्वतंत्र होइ क आनन्द लइ सकी। इही बरे अपने
बिसवास क दृढ बनाए रखा। अउर फिन स व्यवस्था क
जुआ क बोझ न उठावा। 2सुना! खुद मइँ, पौलुस तोहसे
कहत रहेउँ कि अगर खतना कराइके तू पचे फिन स
व्यवस्था कइँती लउटत ह्या तउ तोहरे मसीह क कउनउ
महत्व न रहइ। 3आपन खतना कराइ देइवाले हर एक मनई
क, मइँ एक दाई फिन स जताए देत हउँ कि ओका पूरा
व्यवस्था पर चलब जरूरी बा। 4तू सबन मँ स जेतना जने
व्यवस्था क पालइ क कारण धर्मी क रूप मँ स्वीकृत होइ
चाहत हीं। उ सब मसीह स दूर होइ ग बाटेन अउर
परमेस्सर क अनुग्रह क च्छेत्र स बाहेर अहइँ। 5मुला हम
बिसवास क कारण परमेस्सर क सामने धर्मी स्वीकार कीन्ह
जाइ क आसा करित ह। आतिमा क सहायता स हम एकर
बाट जोहत रहेन ह। 6काहेकि मसीह ईसू मँ स्थिति क बरे
न तउ खतना करावइ क कउनउ महत्व बा अउर न खतना
नाहीं करावइ क बल्कि ओहमाँ तउ पिरेम स पइदा होइवाला
बिसवास क ही महत्व बा।

7तू पचे तउ बहुत अच्छी तरह एक मसीह क जीवन
जिअत रह्या। अब तू पचन क, अइसा का अहइ जउन
सत्य पर चलइ स रोकत बाटइ। 8अइसी बिमति जउन तू
पचन क सत्य स दूर करत बाटइ। तू सबन क बोलावइवाले
परमेस्सर कइँती स नाहीं आइ बा। 9“तनिक खमीर गुंधा
भवा समूचा आटा क खमीर स उठाइ लेत ह।” 10पर्भू क
बरे मोर पूरा भरोसा बा कि तू पचे कउनउ दूसरे मते क न

“इ … होई” उत्पत्ति 21:10

अपनउब्या मुला तू सबन क विचलित करइवाला चाहे
कउनउ भी होइ, उचित दण्ड पावइ।
11भाइयो तथा बहिनियो, अगर मइँ आजभी, जइसा कि
कछू जने मोहपे लांछन लगावत हीं कि मइँ खतना क प्रचार
करत हउँ तउ मोका अब तलक यातना काहे दीन्ह जात
अहइँ? अउर अगर मइँ अब भी खतना क जरूरत क प्रचार
करत हउँ अब तउ मसीह क क्रूस क कारण पइदा भई
मोर सब बाधा समाप्त होइ जाइ चाही। 12मइँ तउ चाहत हउँ
कि उ सबइ जउन तू पचन क डिगावइ चाहत हीं, खतना
करावइ क साथ साथ अपने आपक बधिया ही कराइ
डालतेन। 13मुला भाइयो तथा बहिनियो, तू पचन क परमेस्सर
तउ स्वतन्त्र रहइ क चुने अहइ। मुला ओह आजादी क
अपने आप पूरे सुभाऊ क पूर्ति क साधन जिन बनइ द्या,
एकरे विपरीत पिरेम क कारण परस्पर एक दूसरे क सेवा
करा। 14काहेकि समूची व्यवस्था क सार संग्रह इ एक
आदेस मँ ही बा: "अपने साथियन स वइसेन ही पिरेम करा,
जइसेन तू अपने आप स करत ह।" 15मुला आपस मँ काट
करत भए अगर तू एक दूसरे क खात रहब्या तउ देखा। तू
पचे आपस मँ ही एक दूसरे क नास कइ देब्या।

मानव प्राकृति अउर आतिमा

16मुला मइँ कहत हउँ कि आतिमा क अनुसासन क
अनुसार आचरण करा अउर अपन पाप से भरा भए सुभाऊ
स इच्छन क पूर्ति जिन करा। 17काहेकि तने क, भौतिक,
अभिलास पवित्तर आतिमा क अभिलासन क अउर पवित्तर
आतिमा क अभिलासन भौतिक अभिलासन क विपरीत होत
हीं। एनकर आपस मँ विरोध बा। इही बरे तउ जउन तू पचे
करइ चाहत ह, उ कइ नाहीं सकत्या। 18मुला अगर तू
आतिमा क अनुशासन मँ चलत ह तउ फिन व्यवस्था क
अधीन नाही रहत्या। 19अब देखा! हमरे भौतिक मनई सुभाउ
क पापे स भरी प्रकृति क कामन क तउ सब जानत हीं। उ
पचे अहइँ व्यभिचार, अपवित्तर, भोग विलास, 20मूर्ति पूजा,
जादू-टोना, बैरभाऊ, लड़ाई-झगड़ा, डाह, किरोध, स्वार्थीपन,
फूट, इरसा, 21नसा, लंपटपन या ओइसेही अउर बातन। अब
मइँ तू सबन क एनन्ह बातन क बारे मँ वइसेन ही चेतावत
हउँ जइसेन मइँ तू सबन क पहिलेन चेताई दिहे रहेउँ कि
जउन लोग इन बातन मँ भाग लेइहीं, उ पचे परमेस्सर क
राज्य क उतराधिकार न पइहीं।
22जबकि पवित्तर आतिमा पिरेम, आनन्द, सान्ति, धीरज,
दयालुता, नेकी, बिसवास 23नम्रता अउर आत्मसंयम उपजावत
ह। इन बातन क विरोध मँ कउनउ व्यवस्था नाहीं बाटइ।
24ओ सब लोग जउन मसीह ईसू क अहइँ, अपने पाप
स भरा मानुस भौतिक मनइ सुभाऊ क वासना अउर सबइ
इच्छा समेत क्रूस पर चढ़ाइ दिहे अहइँ। 25काहेकि जब हमरे
एक नवे जीवन क स्त्रोत आतिमा बा तउ आवा आतिमा क
ही अनुसार चाली। 26हम अभिमानी न बनी। एक दूसरे क
न चिढ़ाई। अउर न तउ परस्पर इरसा रखी।

एक दुसरे क सहायता करा

6 भाइयो तथा बहिनियो, तोहरे मँ स अगर कउनउ मनई
गलत काम करत पकड़ा जाय तउ आत्मिक लोगन क
चाही कि नम्रता क साथे ठीक कइ देइ, धरम क मार्ग पर
आवइ मँ सहायता करइँ। अउर खुद अपने बरे सावधानी
बरता कि कहीं तू पचे खुदउ कउनो परीच्छा मँ न पड़ि जा।
2परस्पर एक दूसरे क भार उठावा। इही तरह तू मसीह क
व्यवस्था क पालन करब्या। 3अगर केउ मनई महत्वपूर्ण न
होत भवा तबउ अपने क महत्वपूर्ण समझत ह, तउ अपने
क धोखा देत थ।
4अपने करम क आंकलन हर कउनो क खुद करत रहइ
चाही। अइसेन करइ पर ही ओका अपने पापे पर कउनो
दुसरे क साथे तुलना किहे बिना, गरब करइ क अवसर
मिली। 5काहेकि आपन दायित्यव हर कउनो क खुदइ
उठावइ क बा। 6जेका परमेस्सर क बचन सुनावा गवा बा,
ओका चाही कि जउन अच्छी चीज ओकरे पास बा, ओहमाँ
अपने उपदेस क साच्छी बनवइ।

जीवन खेत-बोवइ जइसा बा

7अपने आपके जिन्न छला। परमेस्सर क केऊ बुद्धू नाहीं
बनाइ सकत, काहेकि जउन जइसेन बोई वइसे ही काटी।
8जे अपने भौतिक मनई क सुभाऊ बरे बोई, उ अपने काया
क बिनास क फसल काटी। मुला जउन आतिमा क खेते मँ
बीया बोई उ आतिमा स अनन्त जीवन क फसल काटी।
9इही बरे आवा हम भलाई करत कभऊँ न थकी। काहेकि
अगर हम भलाई करत ही रहब तउ अच्छा समइ आए प
हमका ओकर ओकर फल मिली। 10जइसेन ही कउन
अवसर मिलई, हमका सब क साथ भलाई करइ चाहीं,
विसेस कर अपने बिसवासी भाइयन क साथे।

पत्र क समापन

11देखा, मइँ तू पचन क खुद अपने हाथे स केतना बड़ा
बड़ा अच्छरन मँ लिखे हउँ। 12अइसे जने जउन सरीर क
रूप स अच्छा देखॉवा करइ चाहत हीं तू पचन प खतना
करावइ क दबाउ डालत हीं। मुला उ पचे अइसेन बस इही
बरे करत हीं कि ओन्हे मसीह क क्रूस क (सुसमाचार)
कारण यातना न सहइ पड़इ। 13काहेकि उ सबइ खुदउ
नकइ खतना होइ चुका बा, व्यवस्था क पालन नाहीं करतेन
मुला फिन भी ओ पचे चाहत हीं कि तू पचे खतना करावा
ताकि उ पचे तू सबन क जरिये इही सरीर क प्रथा क
अपनाइ जाइ पर डींग मार सकइँ। 14मुला जेकरे जरिये मइँ
संसार क बरे अउर संसार मोरे बरे भर गवा। पर्भू ईसू
मसीह क ओह क्रूस क छोड़िके मोका अउर कउनो प गरब
न होइ। 15काहेकि न तउ खतना क कउनउ महत्व बा
अउर न बिना खतना क। अगर महत्व बा त उ नई सिस्टी
क बा। 16इही बरे जउन लोग एँह विधान पर चलिहीं
ओन्हन पर। अउर परमेस्सर क इस्राएल पर सान्ति अउर
दया होत रहइ। 17पत्र क खतम करत मइँ तू सबन स
बिनती करत हउँ कि अब मोका कउनउ अउर दुख न द्या।
काहेकि मइँ तउ पहिले स अपने सरीर मँ मसीह ईसू क
घावन क लिहे घमत रहत अहउँ।
18भाइयो तथा बहिनियो, हमरे पर्भू ईसू मसीह क अनुग्रह
तू पचन क आतिमन क साथे बना रहई। आमीन!